क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी., भोपाल

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा विद्यालयों में चलाये जा रहे सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन में शिक्षकों को आने वाली समस्याओं का अध्ययन

(शिक्षा में स्नातकोत्तर एम. एड. (प्रांरभिक शिक्षा) की आंशिक सम्पूर्ति हेतू प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध)

व्यक्तिगत साक्षात्कार अनुसूची

1. शिक्षक / शिक्षिका का नामः .....
2. विद्यालय का नामः .....
3. आयुः .....
4. लिंगः .....
5. शैक्षणिक पात्रताः .....
6. वर्तमान विद्यालय में पदस्थापना वर्षः .....
7. शैक्षणिक अनुभवः .....
8. विषयः .....
9. कक्षाः .....
10. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन में आप प्रशिक्षित है या नहींः .....
11. यदि हाँ तो वर्षः .....

1. आप के विषय में विद्यार्थियों की उपलब्धि के लिए सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) में आप क्या उपकरण व तकनीक का प्रयोग करते है?

2. उपकरण व तकनीक के प्रयोग में आने वाली कठिनाईयाँ। हाँ /नहीं

3. यदि हाँ तो कृपया विस्तार से बताएँ।

4. इन कठिनाईयों का निराकरण आप कैसे करते है?

5. आपके विषय से सम्बन्धित जीवन कौशलों (Life skills) का भी मूल्यांकन करते है?
हाँ /नहीं

6. यदि हाँ तो निम्न जीवन कौशलों में से किन–किन का मूल्यांकन आप करते हैं? कृपया सही का चिन्ह (V) उनके सामने लगाएँ।

Life Skills Matrix

1	Self - awareness	
2	Problem Solving	
3	Decision Making	
4	Critical Thinking	
5	Creative Thinking	
6	Interpersonal Relationships	
7	Effective Communication	
8	Empathy	
9	Managing Feelings/Emotions	
10	Dealing with Stress	

7. उपरोक्त जीवन कौशलों सारणी में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन में आप क्या उपकरण व तकनीक का प्रयोग करते है?

8. इनके प्रयोग में क्या आपकों किसी प्रकार की कठिनाई आती है? हाँ /नहीं।

9. यदि हाँ तो कृपया विस्तार से बताएँ।

10. इन कठिनाईयों का निराकरण आप कैसे करते है?

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी., भोपाल

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा विद्यालयों में चलाये जा रहे सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन में शिक्षकों को आने वाली समस्याओं का अध्ययन

(शिक्षा में स्नातकोत्तर एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की आंशिक सम्पूर्ति हेतू प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध)

व्यक्तिगत साक्षात्कार अनुसूची

12. शिक्षक / शिक्षिका का नामः	श्री विनय रमेशचन्द्र कवड़े
13. विद्यालय का नामः	जवाहर नवोदय विद्यालय, सेलुकाटे
14. आयुः	40 वर्ष
15. लिंगः	पुरूष
16. शैक्षणिक पात्रताः	बी.एस.सी. बी.एड. (गणित)
17. वर्तमान विद्यालय में पदस्थापना वर्षः	जुलाई – 2000
18. शैक्षणिक अनुभवः	15 वर्ष
19. विषयः	गणित
20. कक्षाः	VIIIth और Xth
21. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन में आप प्रशिक्षित है या नहीं:	हैं
22. यदि हाँ तो वर्षः	2011–12

11. आप के विषय में विद्यार्थियों की उपलब्धि के लिए सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) में आप क्या उपकरण व तकनीक का प्रयोग करते है?

– सी.सी.ई. के अन्तर्गत मूल्यांकन के लिए बहुत सारे विकल्प उपलब्ध है जैसे कि– नियमित गृह कार्य और कक्षा कार्य को चेक करना। बहुपर्यायी प्रश्नोत्तरी गणित की संकल्पनाओं (Concepts) पर प्रकल्प तैयार करना। गणित प्रयोगशाला में गणित विषय के संदर्भ में गतिविधि और उनका रिकोर्ड तैयार रखना। मौखिक परीक्षा, लिखित परीक्षा, गणित मॉडल को तैयार करना आदि गणित के विषय में तकनीको का प्रयोग करते हैं।

12. उपकरण व तकनीक के प्रयोग में आने वाली कठिनाईयाँ। हाँ ✓ /नहीं

13. यदि हाँ तो कृपया विस्तार से बताएँ।

– 1. सी.सी.ई. के अन्तर्गत इस फॉरमेटिव असेसमेंट में एक विषय के लिए लेखी परिक्षा के अतिरिक्त पांच और गतिविधियों को लेना। इसमें समय और काम का बोझ बहुत ज्यादा होता है।

– 2. इसमें कमजोर छात्रों की तरफ ध्यान कम होकर पूरा ध्यान सी.सी.ई. के अन्तर्गत आने वाली गतिविधियों में ही लग जाता है

14. इन कठिनाईयों का निराकरण आप कैसे करते है?

–आवासीय विद्यालय होने के कारण हमारे पास ज्यादा समय छात्रों के लिए मिल जाता है जिसका उपयोग उपचारात्मक कक्षाओं का आयोजन कर के इन समस्याओं का हल निकालते हैं।

15. आपके विषय से सम्बन्धित जीवन कौशलों (Life skills) का भी मूल्यांकन करते है?
हाँ ✓/नहीं

16. यदि हाँ तो निम्न जीवन कौशलों में से किन–किन का मूल्यांकन आप करते हैं? कृपया सही का चिन्ह (V) उनके सामने लगाएँ।

Life Skills Matrix

1	Self - awareness	✓
2	Problem Solving	✓
3	Decision Making	✓
4	Critical Thinking	✓
5	Creative Thinking	✓
6	Interpersonal Relationships	✓
7	Effective Communication	✓
8	Empathy	✓
9	Managing Feelings/Emotions	✓
10	Dealing with Stress	✓

17. उपरोक्त जीवन कौशलों सारणी में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन में आप क्या उपकरण व तकनीक का प्रयोग करते है?

–1. छात्रों की गतिविधियों को या कोई खास ऐसा प्रसंग जो कक्षा में या कक्षा के बाहर मैदान पर या सदन में घटित हुआ हो उसकी नोद करना

–2. विषय शिक्षक एवं अन्य विषयों के शिक्षक इनकी एक समिति बनाकर उस छात्र का मूल्यांकन करना।

–3. अलग–अलग आयु समूह में कक्षा नववीं एवं दसवीं, कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं और कक्षा छठवीं एवं आठवीं आदि का विविध स्पर्धाओं का आयोजन करके मूल्यांकन करना।

18. इनके प्रयोग में क्या आपकों किसी प्रकार की कठिनाई आती है? हाँ ✓/नहीं।

19. यदि हाँ तो कृपया विस्तार से बताएँ।

–1. उपरोक्त गतिविधियों का हमेशा लेखा–जोखा रखना संभव नहीं होता है।

–2. विद्यार्थियों की संख्या ज्यादा होने के कारण कठिनाई महसूस होती है।

–3. इसमें पेपर वर्क बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

20. इन कठिनाईयों का निराकरण आप कैसे करते है?

– विषय शिक्षक ही सदन शिक्षक होने के कारण वह अपने विद्यार्थियों के बारे में, उनकी गतिविधियों के बारे में हमेशा पता होता है क्योकि छात्राओं की किसी भी प्रकार की समस्याओं की (पढाई के बारे में, व्यक्गित संदर्भ, उनके कौटम्बिक के संदर्भ में) वह सदन शिक्षक को आकर ही बताता है।